सभा पटल पर रखा गया [ग्रन्थालय में रखा गया देखिए संख्या LT-2272/81]

(ख) और (ग) दिल्ली नगर निगम ने सूचित किया है कि 54 कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय जांच-पड़ताल तीन से अधिक वर्षों से लम्बित पड़ी है इन जांच-पड़तालों के बारे में तत्संबंधी ब्योरे परिशिष्ट व विवरण में दिये गये हैं। यह स्पष्ट किया गया है कि इन में से 49 कर्मचारियों के विरुद्ध जांच पड़ताल पूरी होने की अंतिम अवस्था में हैं अर्थात् इन के मामलों में सबूत पूरा कर लिया गया है और वे जांच रिपोर्ट लिखने, कारण बताओ नोटिस जारी करने और कारण बताओ नोटिसों के उत्तरों पर विचार करने की अवस्था में हैं। शेष पांच मामलों में से तीन सी० बी० आई० के मामले हैं जिनमें लम्बी कार्यवाही की जानी है और अन्य दो मामले अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिये गये हैं एक न्यायालय से स्थगन आदेश के कारण और दूसरा एक तथ्य के कारण कि संबंधित कर्मचारी एक अन्य मामले में सेवा से निकाल दिया गया है।

भारतीय तेल निगम में दैनिक और मासिक मजूरी के आधार पर कार्य कर रहे कर्मचारियों की संख्या

5963. **श्री निहाल सिंह** : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) भारतीय तेल निगम लिमिटेड में कितने कर्मचारी स्थायी आधार पर और कितने कर्मचारी दैनिक मजूरी के आधार पर कार्य कर रहे हैं ; और

(ख) कर्मचारी भविष्य निधि और राज्य बीमा निधि की कितनी राशि अभी तक जमा कराई गई है और कितनी राशि इन शीर्षों के अन्तर्गत बकाया है ?

श्रम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती राज कुमारी सिन्हा) : (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा की मेज पर रख दी जायगी।

दिल्ली में पकड़े गये जाली करेंसी नोट

5964. **श्री निहाल सिंह** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली की अपराध शाखा में 10, 50 और 100 रुपये के जाली करेंसी नोट पकड़े थे ;

(ख) यदि हां, तो इस बारे में की गई जांच के क्या परिणाम निकले ; और

(ग) कितने व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाना) : (क) जी हां, श्रीमान्।

(ख) नीचे बताये गये तीन अलग-अलग मामले दर्ज किये गये हैं।

1. थाना पार्लियामेंट स्ट्रीट के अन्तर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट सं० 700 तारीख 22-12-1980 के अनुसार 100 रु० का एक नोट पकड़ा गया।

2. थाना लाहोरी गेट के अन्तर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट सं० 73 ता० 27-1-1981 के अनुसार 50 रु० का नोट पकड़ा गया।

3. थाना लाहोरी गेट के अन्तर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट सं० 76 तारीख 27-1-1981

के अनुसार 100 रु० के चार नोट, 50 रु० के दो नोट और 10 रु० के सत्रह (17) नोट पकड़े गये ।

सभी तीनों मामलों की जांच की जा रही है ।

(ग) इन मामलों में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है ।

बिजली कॉटन मिल्स हाथरस में दैनिक और मासिक मजूरी के आधार पर कार्य कर रहे कर्मचारी

5965. **श्री निहाल सिंह** : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय कपड़ा निगम के अधीन चल रहे बिजली काटन मिल्स हाथरस में दैनिक मजूरी और मासिक मजूरी के आधार पर कितने कितने कर्मचारी काम कर रहे हैं ;

(ख) इस मिल ने कर्मचारी राज्य बीमा योजना और कर्मचारी भविष्य निधि की कितनी-कितनी राशि अब तक जमा कराई है और इन खातों की कितनी राशि उनकी ओर बकाया है ; और

(ग) शेष राशि को वसूल करने के लिए क्या कार्यवाही की गई है ?

श्रम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती रामदुलारी सिन्हा) : (क) उपलब्ध सूचना के अनुसार, कर्मचारी राज्य बीमा योजना और कर्मचारी भविष्य निधि योजना के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियों की कुल संख्या (जिनमें नैमित्तिक आधार पर नियोजित श्रमिक शामिल हैं) क्रमशः 1078 और 1332 थी ।

(ख) और (ग). कर्मचारी राज्य निगम प्राधिकारियों ने सूचित किया है कि नियोजक ने 1/76 से 12/80 की अवधि के लिए 13,99,001.60 रुपये की राशि जमा कराई है और अभी भी उनकी और 12,72,954.00 रुपये की राशि बकाया है । रुग्ण कपड़ा उद्योग (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1974 के अधीन नियुक्त संदाय आयुक्त के समक्ष अधिकार में लेने से पूर्व की देय राशियों के संबंध में दावा दायर किया गया और आयुक्त ने 5,00,206.70 रुपये का पंचाट दिया है। निगम ने शेष राशि के संबंध में न्यायालय में अपील दायर की है ।

कर्मचारी भविष्य निधि प्राधिकारियों ने सूचित किया है कि चूंकि इसे राष्ट्रीय कपड़ा निगम लिमिटेड द्वारा अपने अधिकार में ले लिया गया अतः प्रतिष्ठान 8/75 से 12/77 की अवधि के संबंध में 7018 रुपये की राशि को छोड़कर, भविष्य निधि की बकाया राशि को नियमित रूप से जमा करा रहा है । इस राशि को वसूल करने के लिए आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही है । इस के अतिरिक्त, अधिकार में लिये जाने से पूर्व प्रतिष्ठान को 13.59 लाख रुपये की देय राशि का भुगतान करना था । इस राशि के संबंध में दावा संदाय आयुक्त के पास दायर किया गया, जिन्होंने अब 9.47 लाख रुपया का पंचाट दिया है ।

Seminar on Cement Manufacture

5966. SHRI HARIHAR SOREN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether the all India Seminar on Cement Manufacture organised by the All India Cement Research Institute in 1981 has given certain suggestions to adopt some new methods in the Plant lay out and system design